TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

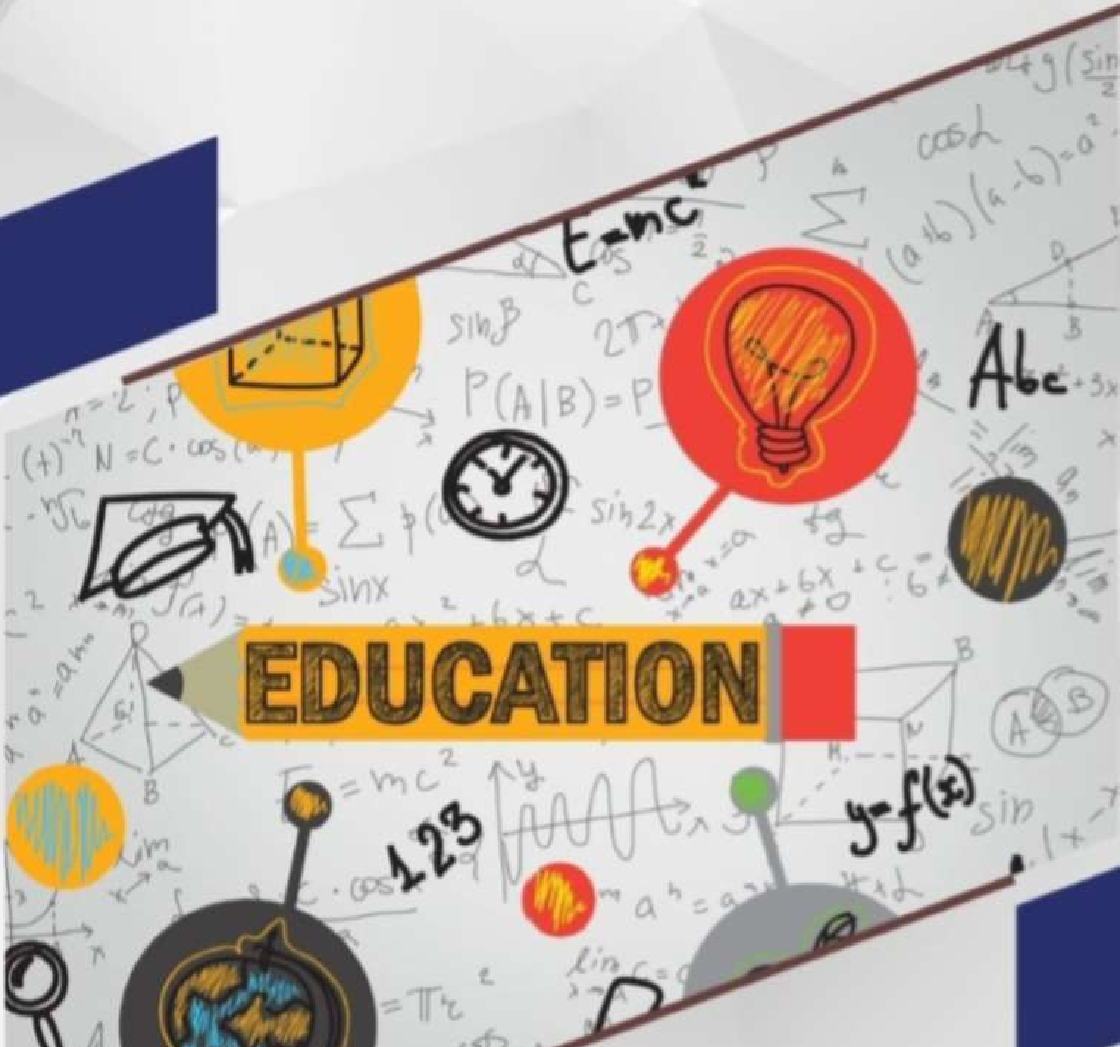

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

24 नवंबर 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

महान कार्य छोटे-छोटे कार्यों से बने होते हैं।

गुरु तेग़ बहादुर जी

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

24 नवंबर

मधु प्रिया

गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस 24 नवम्बर

गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरू थे, उनका जन्म अमृतसर में 21 अप्रैल, 1621 को माता नानकी और सिखों के छठे गुरु, गुरु हरगोबिंद के यहां हुआ था। गुरु तेग बहादुर, गुरु हरगोबिंद साहिब के सबसे छोटे बेटे थे. इन्हें 'हिंद की चादर' के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने हिंदू धर्म को बचाने केलिए मुगल शासक औरंगजेब से सीधी टक्कर ली थी। मुगल शासक औरंगजेब के आदेश पर 24 नवंबर 1675 को गुरु तेग बहादुर की हत्या की गई थी। औरंगजेब ने उनको सिख धर्म छोड़कर इस्लाम धर्म स्वीकार करने का दबाव डाला था। लेकिन गुरु तेग बहादुर जी उसके दबाव के आगे नहीं झुके, उन्होंने धर्म परिवर्तन की बजाय शहादत को चुना। गुरु तेग बहादुर ने धर्म छोड़ने और चमत्कार दिखाने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वे अपना सिर कलम करवा सकते हैं, पर अपने बाल नहीं कटवाएंगे। 1675 ई॰ में दिल्ली के चांदनी चौक में जल्लाद जलालदीन ने तलवार से गुरु साहिब का शीश धड़ से अलग कर दिया। लाल किले के सामने आज उसी जगह पर गुरुद्वारा शीशगंज साहिब स्थित है। उन्होंने अपने धर्म की रक्षा के लिए अपना सिर कटवा दिया। मुसलमान बनने से इनकार करने पर 24 नवंबर 1675 ईसवीं में गुरु साहिब के शीश को दिल्ली के चांदनी चौक में औरंजेब ने धड़ से अलग कर दिया था।

शहीदी दिवस विशेष 24 नवंबर

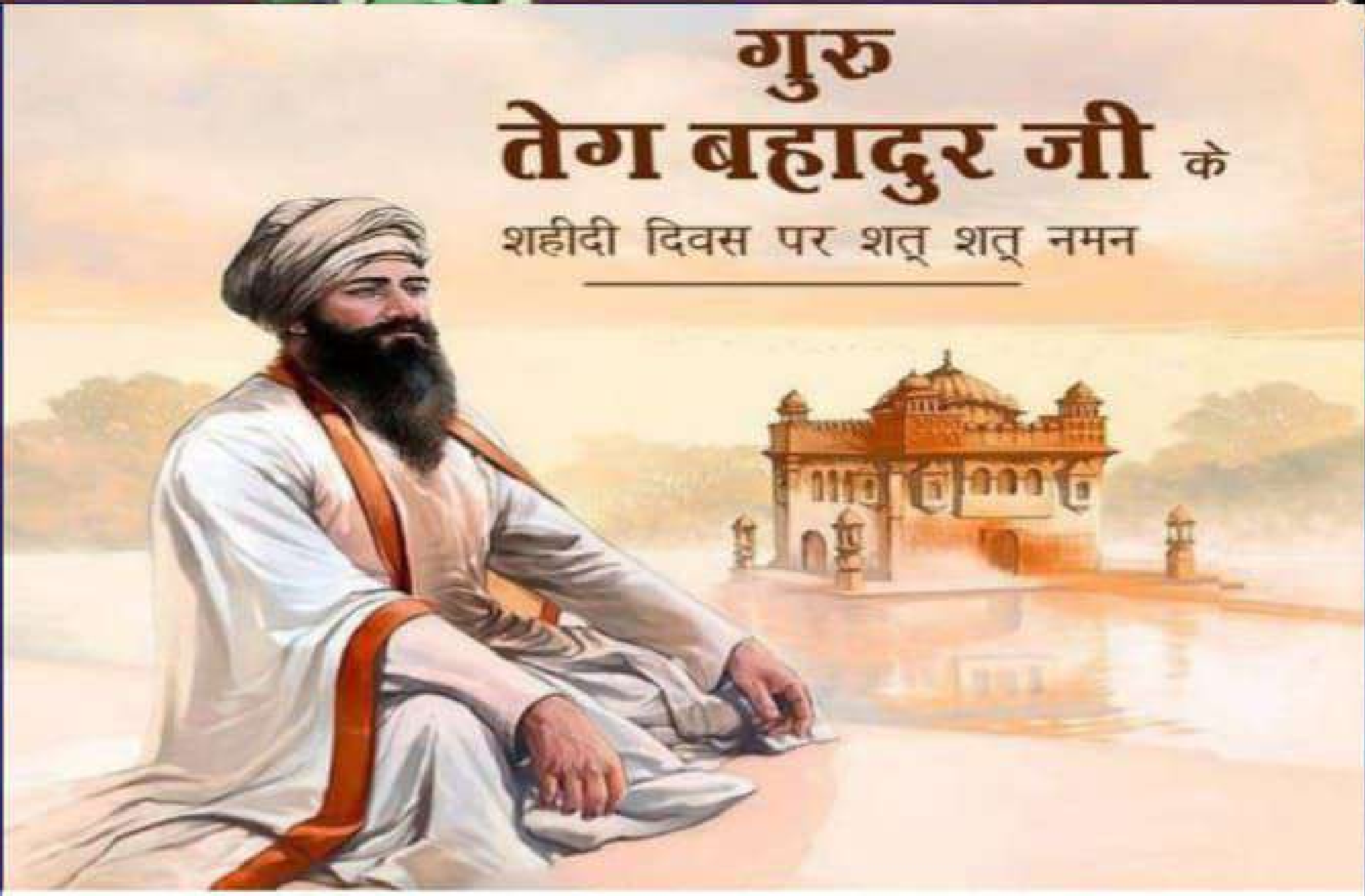

गुरु तेग़ बहादुर जी जन्म: 18 अप्रैल, 1621 ई.; मृत्यु: 24 नवम्बर, 1675 ई.) सिक्खों के नौवें गुरु थे। विश्व के इतिहास में धर्म एवं सिद्धांतों की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में इनका अद्वितीय स्थान है। तेग़ बहादुर जी के बलिदान से हिंदुओं व हिन्दू धर्म की रक्षा हुई। हिन्दू धर्म के लोग भी उन्हें याद करते और उनसे संबंधित कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। तेग़ बहादुर सिंह 20 मार्च, 1664 को सिक्खों के गुरु नियुक्त हुए थे और 24 नवंबर, 1675 तक गद्दी पर आसीन रहे।

राकेश कुमार

MATH TLM

96 Class-6to8

बीजगणित (Algebra)

- $(a^2 + b^2) = a^2 + 2ab + b^2$
- $(a - b)^2 = a^2 - 2ab + b^2$
- $(a - b)^2 = (a + b)^2 - 4ab$
- $(a + b)^2 = (a - b)^2 + 4ab$
- $a^2 + b^2 = (a + b)^2 - 2ab$

Anu Priya, Science Teacher

TOB

खेल कॉर्नर

खेल और उनके आयोजन के प्रथम वर्ष

1. एशियाई खेल	1951
2. राष्ट्रमंडल खेल	1930
3. क्रिकेट विश्व कप	1975
4. ओलिंपिक खेल	1896
5. हॉकी विश्व कप	1971
6. फुटबाल विश्व कप (पुरुष)	1930
7. शीतकालीन ओलिंपिक खेल	1924

Teachers of Bihar

The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **24.11.2025**

ध्वन्यात्मक जागरूकता

ध्वन्यात्मक जागरूकता इस बात को समझने की क्षमता है कि बोले गए शब्द अलग-अलग ध्वनियों (जिन्हें 'स्वनिम' या 'फोनीम' कहते हैं) से बने होते हैं। इसमें इन ध्वनियों को पहचानने, उनमें हेरफेर करने और उन्हें अलग करने की क्षमता शामिल है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

अलास्का के बैरो शहर में सूरज ढल चुका है और अब यहाँ अगले 60 दिनों तक रात रहेगी। यहाँ के लोग अब सीधा 22 जनवरी 2026 को ही सूरज देख पाएंगे। यह कुदरत का एक अनोखा चक्र है जिसे 'पोलर नाइट' कहते हैं।

राकेश कुमार

धनी दे रहे सकल सर्वस्व,
तुम्हें इतिहास दे रहा मान;
सहस्रों बलशाली शार्दूल
चरण पर चढ़ा रहे हैं प्राण।
दौड़ती हुई तुम्हारी ओर
जा रहीं नदियाँ विकल, अधीर;
करोड़ों आँखें पगली हुईं,
ध्यान में झलक उठी तस्वीर।

रामधारी सिंह दिनकर

Madhu priya

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

पुण्यतिथि पर नमन

गुरु तेग बहादुर

1 अप्रैल 1621-24 नवंबर 1675

Madhu priya

www.teachersofbihar.org